SHIKSHA CLASSES

विषय : हिंदी **कुल अंक : ८०**

कक्षा : १० वी **Prelim Question Paper - 2** **समय : ३ घंटे**

गद्य विभाग (२० अंक)

प्र. १ : पठित परिच्छेद पढकर दी गई सूचनाओ के अनुसार कृतियाँ कीजिए । **(८)**

१. आकलन कृति पूर्ण कीजिए । २

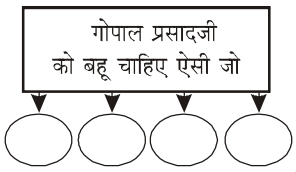

२. घटना के अनुसार वाक्यों को उचित क्रम लगाकर रखिए । २

१. सरकार अब ज्यादा चीनी लेने वालों पर टैक्स लगाएगी ।
२. अच्छा तो साहब फिर बिजनेस की बात हो जाए।
३. ब्याह करने आए हो कमर सीधी करके बैठो।
४. यह ऐसा टैक्स है जनाब कि देने वाले चूँ भी नही करेगा।

गो.प्रसाद: (अपनी अवाज और तरीका बदलते हुऐ) अच्छा तो साहब, फिर बिजनेस की बातचीत हो जाए।
रामस्वरुप: (चौंककर) बिजनेस? - (समझकर) ओह!... अच्छा, अच्छा। लेकिन जरा नाश्ता तो कर लीजिए।
गो.प्रसाद: यह सब आप क्यों तकल्लुफ करते है!
रामस्वरुप: हँ-हँ-हँ! तकल्लुफ किस बात का। यह तो मेरी बडी तकदीर है कि आप मेरे यहाँ तशरीफ लाए। (अंदर जाते हैं।)
गो.प्रसाद: (अपने लड़के से) क्यों, क्या हुआ?
शंकर: कुछ नहीं।
गो.प्रसाद: झुककर क्यों बैठते हो? ब्याह तय करने आए हो, कमर सीधी करके बैठो। तुम्हारे दोस्त ठीक कहते है कि शंकर की बैकबैक - (इतने में बाबू रामस्वरुप चाय की ट्रे लाकर मेज पर रख देते है।)
गो.प्रसाद: आखिर आप माने नहीं।
रामस्वरुप: (चाय प्याले में डालते हुए) हँ-हँ-हँ! आपको विलायती चाय पसंद है या हिंदुस्तानी?
गो.प्रसाद: नही-नहीं साहब, मुझे आधा दूध और आधी चाय दीजिए और जरा चीनी भी ज्यादा डालिएगा।
शंकर: (खँखारकर) सुना है, सरकार अब ज्यादा चीनी लेने वालों पर टैक्स लगाएगी।
गो.प्रसाद: (चाय पीते हूए) सरकार जो चाहे सो कर ले पर अगर आमदनी करनी है तो सरकार को बस एक हि टैक्स लगाना चाहिए।
रामस्वरुप: (शंकर को प्याला पकड़ाते हुए) वाह क्या?
गो.प्रसाद: खूबसूरती पर टैक्स! (रामस्वरुप और शंकर हँस पडते है) मजाक नहीं साहब, यह ऐसा टैक्स है जनाब कि देने वाले चूँ भी न करेंगे।

SHIKSHA CLASSES, BHANDARA

रामस्वरुप: (जोर से हँसते हुए) वाह-वाह! खूब सोचा आपने! वाकई आजकल खूबसूरती का सवाल भी बेढ़ब हो गया है। हम लोगों के जमाने में तो यह कभी उठता भी न था। (तश्तरी गोपाल की तरफ बढ़ाते हैं।) लीजिए।

गो.प्रसाद: (समोसा उठाते हुऐ) कभी नहीं साहब, कभी नहीं।

रामस्वरुप: (शंकर की तरफ मुखातिब होकर) आपका क्या खयाल है शंकर बाबू?

शंकर: किस मामले में?

रामस्वरुप: यही कि शादी तय करने में खूबसूरती का हिस्सा कितना होना चाहिए!

गो.प्रसाद: (बीच में ही) यह बात दूसरी है बाबू रामस्वरुप, मैंने आपसे पहले भी कहा था, लड़की का खूबसूरत होना निहायत जरुरी है और जायचा (जन्म पत्र) तो मिल ही गया होगा।

रामस्वरुप: जी, जायचे का मिलना क्या मुश्किल बात है। ठाकुर जी के चरणों में रख दिया। बस, खुद-ब-खुद मिला हुआ। (शंकर भी हँसता है, मगर गोपाल प्रसाद गंभीर हो जाते हैं।)

गो.प्रसाद: लड़कियों को अधिक पढ़ने की जरुरत नहीं है। सिलाई-पुराई कर लें बस।

रामस्वरुप: हँ-हँ! (मेज को एक तरफ सरका देते हैं। फिर अंदर के दरवाजे की तरफ मूँह कर जरा जोर से (अरे, जरा पान भिजवा देना...)

३. परिच्छेद में प्रयुक्त उर्दू शब्द ढूँढकर लिखिए । २

१. २. ३. ४.

४. विवाहः एक बिजनेस इस विषय पर अपने विचार ७-८ वाक्य में लिखिए । २

आ. पठित परिच्छेद पढ़कर दी गई सूचनओ के अनुसार कृतियाँ कीजिए । **(८)**

१. आकृति पूर्ण कीजिए । २

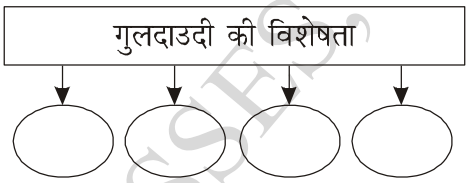

२. 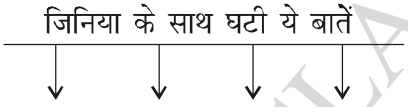

२

यहाँ सरदी अच्छी है। फूलों में गुलदाउदी, क्रिजेन्थीमम फूल बहार में है। उसकी कलियाँ महीनों तक खुलती ही नहीं मानो भारी रहस्य की बात पेट मे भर दी हों और होठों को सीकर बैठ गई हों। जब खिलती हैं तब भी एक-एक पंखुडी करके खिलाती है। वे टिकते है बहुत। गुलाब भी खिलने लगे हैं। कोस्मोस के दिन गए। उन्होंने बहुत आनंद दिया। जिनिया का एक पौधा, रास्ते के किनारे पर था। जो आए सो उसकी कली तोड़े। फिर मैंने इस बड़े पौधे को वहाँ से निकालकर अपने सिरहाने के पास लगा दिया, फिर इसने इतने सुंदर फूल दिए। इसकी आँखे मानो उत्कटता से बोलती हों, ऐसी लगतीं। दो-एक महीने फूल देकर अंत में वह सूख गया। परसों ही मैंने उसे बिदा दी।

३. उपसर्ग जोडकर नए शब्द बनाइए। २

१. गति २. जय ३. शासन ४. दिन

४. पत्र हमारी धरोहर हो सकती है लेकीन एसएमएस संदेश नही. इसपर अपने विचार लिखिए। २

इ. निम्नलिखित अपठित परिच्छेद पढकर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए । **(४)**

SHIKSHA CLASSES, BHANDARA

१. हृदय स्वस्थ के लिए आवश्यक बातें ↓ ↓ ↓ ↓ २

मानव के स्वास्थ का हृदय से सीधा संबंध होता है। आयुर्वेद में हृदय को स्वस्थ रखने के लिए आचार-विचार और आहार-व्यवहार को संतुलित व संयमित रखना अत्यंत आवश्यक बताया गया है। वर्तमान समय में चिकित्सक, वैज्ञनिक और हृदय-रोग-विशेषज्ञ भी इन बातों पर जोर देते हैं कि मात्र संतुलित आहार और नियमित व्यायाम ही हृद्‌य को स्वस्थ रखने के लिए पर्याप्त नहीं है, अपितु उचित व अनुशासित व्यवहार, मानसिक सुख, शांति और संतोष भी नितांत आवश्यक हैं। इन सबकी कमी के कारण ही वर्तमान शताब्दी में हृद्‌य रोगियों की संख्या अपेक्षाकृत बहुत बढ़ी है। प्रति वर्ष कई लाख व्यक्तियों की मृत्यु हृदय रोग के कारण हो जाती है और आज भी करोडों व्यक्ति हृद्‌य रोग के कारण मृत्यु की आशंका से ग्रस्त जीवन जी रहे हैं ।

२. स्वास्थ्य के लिए व्यायाम की आवश्यकता पर अपने विचार लिखिए । २

विभाग २ (पद्य) (१२ अंक)

प्र.२.अ. निम्नलिखित पठित पद्यांश पढकर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए । **(६)**

१. उचित शब्द संजाल में लिखिए : २

हिमालय → ☐ उषा → ☐ विमल → ☐ सप्त स्वर → ☐

हिमालय के आँगन में उसे, किरणों का दे उपहार
उषा ने हँस अभिनंदन किया, और पहनाया हीरक हार।

जगे हम, लगे जगाने विश्व, लोग में फैल फिर अलोक
व्योमतम पुंज हुआ तब नष्ट, अखिल संसृति हो उठी अशोक।

विमल वाणी ने वीणा ली, कमल कोमल कर में सप्रीत
सप्तस्वर सप्तसिंधु में उठे,छिडा तब मधुर साम संगीत। ......

२. निम्नलिखित शब्द के लिए पद्यांश मे प्रयुक्त शब्द ढूँढकर लिखिए । २

१. भेंट .... २. प्रकाश ....

३. आकाश .... ४. समूह ....

३. उपर्युक्त पद्यांश की अंतिम दो पंक्तियों का भावार्थ लिखिए । २

आ. निम्नलिखित पद्यांश को पढ़कर सूचनाओं के अनुसार कृतियाँ कीजिए । **(६)**

वे उद्‌भ्रांत होकर बोले,
यह बताओ तुम्हारे नोट कहाँ हैं?
परीक्षा से एक महीने पहले करूँगा तैयार
वे गरजकर बोले, हमारा मतलब आपकी मुद्रा से है

SHIKSHA CLASSES, BHANDARA

मैं लरजकर बोला,
मुद्राएँ आप मेरे मुख पर देख लीजिए,
वे खड़े होकर कुछ सोचने लगे
फिर शयन कक्ष में घुस गए
और फटे हुए तकिये की रूई नोचने लगे
उन्होंने टूटी अलमारी को खोला

रसोई की खाली पीपियों को टटोला
बच्चों की गुल्लक तक देख डाली
पर सब में मिला एक ही तत्त्व खाली...
कनस्तरों को, मटकों को ढूँढ़ा सब में मिला शून्य - ब्रह्मांड
देखकर मेरे घर में ऐसा अरण्यकांड
उनका खिला हुआ चेहरा मुरझा गया

१) कवि के घर
मिली हुई वस्तुएँ खाली ↓ ↓ ↓ ↓ २

२) ऐसे प्रश्न बनाइए जिनके उत्तर निम्न शब्द हो । २

१) मुद्रा
२) शून्य ब्रह्मांड

२) आयकर विभाग की छापा प्रणाली का कार्य बताइए । २

विभाग: ३ पूरक पठन: (८ अंक)

प्र.३.अ. निम्नलिखित पठित परिच्छेद को पढ़कर सूचनाओ के अनुसार कृतियाँ कीजिए । **(४)**

१. प्रवाह तालिका पूर्ण कीजिए । २

रिश्वत देकर किए जानेवाले कार्य
↓
[ ]
↓
[ ]
↓
[ ]
↓
[ ]

यह भ्रष्टाचार की बहन है जैसे विशेष अवसरों पर हम अपने प्रियजनों, परिचितों, मित्रों को उपहार देते हैं। इसका स्वरुप भी कुछ-कुछ वैसा ही है लेकिन उपहार देकर हम केवल खुशियों या कर्तव्यों का आदान-प्रदान करते है। इससे अधिक कुछ नहीं जबकि रिश्वत देने से रुके हुए कार्य, दबी हुई फाइलें, टलती हुई पदोन्नति, रोकी गई नौकरी आदि में इसके कारण सफलता हासिल की जा सकती

SHIKSHA CLASSES, BHANDARA

है। तब भी यह समाज के माथे पर कलंक है, इसका समर्थन कतई नहीं किया जा सकता, ऐसी मेरी धारणा है। कहकर वह तेजी से बाहर निकल आया। जानता था कि यहाँ भी चयन नहीं होगा।

पर भीतर बैठे अधिकारियों ने... गंभीरता से विचार-विमर्श करने के बाद युवक के सही उत्तर की दाद देते हुए उसका चयन कर लिया। आज वह समझा कि सत्य कुछ समय के लिए निराश हो सकता है, परास्त नही।

२. 'भ्रष्टाचारः एक समस्या' इस विषयपर अपने विचार लिखिए । २

आ. निम्नलिखित पठित पद्यांश को पढकर सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए । **(४)**

१. २

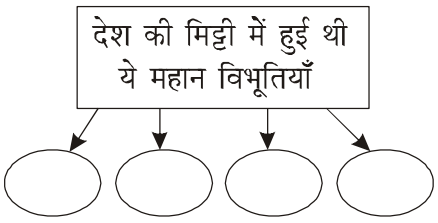

हम उस धरती के लड़के हैं, जिस धरती की बातें
क्या कहिए; अजी क्या कहिए; हाँ क्या कहिए।
यह वह मिट्टी, जिस मिट्टी में खेले थे यहाँ ध्रुव-से बच्चे।

यह मिट्टी, हुए प्रहलाद जहाँ, जो अपनी लगन के थे सच्चे।
शेरों के जबड़े खुलवाकर, थे जहाँ भरत दतुली गिनते,
जयमल-पत्ता अपने आगे, थे नहीं किसी को कुछ गिनते!

इस कारण हम तुमसे बढ़कर, हम सबके आगे चुप रहिए।
अजी चुप रहिए, हाँ चुप रहिए। हम उस धरती के लडके हैं ...

२. स्त्री-पुरुष समानता के बारे में अपने विचार ६-८ वाक्य में लिखिए । २

विभाग - ४ भाषा अध्ययन - १४ अंक

प्र.४. सूचना के अनुसार कृतियाँ कीजिए ।

१. i. अधोरेखांकित शब्द का भेद लिखिए । १

मैं <u>अपनेआप</u> काम कर लूँगा ।

२. i. निम्नलिखित वाक्य में प्रयुक्त अव्यय ढूँढकर उसका भेद लिखिए । १

रमजानी चुपचाप खड़ी देख रही थी ।

३. सूचना के अनुसार काल परिवर्तन करके वाक्य फिर से लिखिए ।

i. मानू चुपचाप चिक को देखती रही। (भूतकाल) १

ii. घटनाएँ एक-एक करके सामने आती हैं। (अपूर्ण वर्तमानकाल) १

४. संधि विच्छेद कर उसका भेद लिखिए । २

१. महा + इंद्र

SHIKSHA CLASSES, THANE

२. तमः + बल

५. i. निम्नलिखित वाक्य का रचना के अनुसार भेद लिखिए । १

सुहास ने अच्छा काम किया था और गाँव के सभी लोग यह बात मानते भी थे।

ii. सूचना के अनुसार परिवर्तन कीजिए । १

बुद्धिजीवियों का जीवन श्रमजीवियों पर आधारित है। (निषेधार्थक वाक्य)

६. i. अधोरेखांकित वाक्यांश के लिए उचित मुहावरे का चयन कर वाक्य फिर से लिखिए । १

(पत्थर की लकीर, सच्ची बात)

हमारे पिताजी की हर बात हमारे लिए पक्की बात होती है ।

७. वाक्य शुद्ध करके वाक्य फिर से लिखिए । १

अ. पुस्तक का ढेर देखकर माँ दंग रह गई ।

ब. इस मंदिर में गणेश की अनेंकों मूर्तियाँ है ।

८. सहायक क्रियाएँ पहचानकर लिखिए । १

१. गाय को चारा देना चाहिए ।

२. रोज सवेरे घूमा करो ।

९. प्रथम तथा द्वितीय प्रेरणार्थक क्रियाएँ लिखिए । १

क्रिया	प्रथम प्रेरणार्थक रुप	द्वितीय प्रेरणार्थक रुप
चलना	.....	.....

१०. १. वाक्य में यथास्थान विरामचिन्हों का प्रयोग कीजिए । १

सिरचन ने मुस्कराकर कहा यह तुम्हारी माँ ही कर सकती है बबुनी

२ वाक्य में प्रयुक्त कारक पहचानकर उसका भेद लिखिए । १

करामत ने गाय के लिए सानी तैयार की।

विभाग - ५ उपयोजित लेखन (२६)

प्र.५.अ. पत्र-लेखन ।

१. हर्षल शर्मा, न्यु विवेकानंद सोसायटी औरंगाबाद से स्वास्थ्य अधिकारी नगर निगम औरंगाबाद को मच्छरों के बढते प्रार्दुभाव की समस्या के संबंध में पत्र लिखता है। **(५)**

अथवा

अनंतनगर का जीवन जोशी हाईस्कूल परिक्षा में प्रथम आने पर बधाई देते हुए अपने मित्र अक्षय को पत्र लिखता है।

२. गद्य आकलन । (प्रश्ननिर्मिति) **(४)**

निम्नलिखित परिच्छेद पढ़कर ऐसे चार प्रश्न तैयार कीजिए, जिनके उत्तर परिच्छेद में एक-एक वाक्य में हो.

भाग्य पर विश्वास करने वालों का दावा है कि पिछले जन्मों के कर्मो के अनुसार सफलता-असफलता और सुख-दुख मिलता है। कई बार भरसक प्रयत्न करने के बाद भी व्यक्ति असफल हो जाता है, तो दुखी हो उठता है। यह मानने के लिए उसे मजबूर होना पडता है कि भाग्य में वही लिखा था। सफलता केवल प्रयत्न और परिश्रम से ही नहीं मिलती, उसके लिए व्यावहारिक ज्ञान, सूझबूझ, धैर्य, आत्मविश्वास, एकाग्रता आदि कई गुण आवश्यक हैं। भाग्यवाद व्यक्ति को निराश, निष्क्रिय और अकर्मण्य बना देता है।

SHIKSHA CLASSES, DHANDARA

प्र.५.अ. वृत्तांत लेखन ।

विद्यालय के प्रागंण में खेले गए खेल दिवस का वृत्तांत तैयार कीजिए। (५)

(२० दिसबंर २०१८ आदर्श विद्यालय, प्रागंण, औरंगाबाद - ४३१००१

अथवा

आ. विज्ञापन लेखन ।

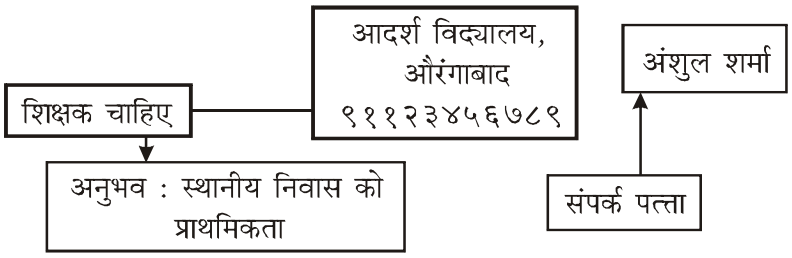

इ. कहानी लेखन ।

निम्नलिखित मुद्दों के आधार पर लगभग ७०-८० शब्दों में कहानी लिखिए । **(५)**

बारहसिंगा का पानी पीने नदी पर जाना ..... पानी में अपनी परछाई देखकर इतराना सुंदर सिंगो पर गर्व करना ..... डेढ़े - मेढ़े पैरों को देख दुखी होना ..... शिकारी का आना बारहसिंगे का भागना ..... झाड़ी में सींगो का फँसना ..... परिणाम ।

प्र.५.उ निबंधलेखन।

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक विषय पर ८० से १०० शब्दों में निबंध लिखिए । **(७)**

१. बरगद की आत्मकथा
२. हिमालय : अद्‌भुत चमत्कार

* * *

SHIKSHA CLASSES, BHANDARA

BECOME AN ACE IN JEE & NEET

SHIKSHA CLASSES

Believe & Achieve

JEE | NEET | Previse (8-10)

8625055707 | 8623085707 shikshaclasses.co.in

M-19, MHADA Colony, Khat Road, Bhandara

Learn with Jaiswal sir